

Press Report Of Various Newspaper on Organ Donation Activities



Cadaver Organ Donor Raju Batukbhai Desai

Brain dead diamond worker saves 4 lives



Heart Taken To Mumbai For Transplant In Just 81 Minutes

Times News Network

Source: A 45-year-old brain-dead diamond worker gave four life-saving gifts, including a heart, lungs, liver and kidneys. His wife Shanti and son Savitri were moved to Mumbai to receive his organs. Mr. Desai, 45, a diamond worker at a diamond cutting unit in Nadiad, Gujarat, died after suffering a heart attack. He had a history of a previous heart attack and hypertension and was admitted to a hospital in Nadiad on July 21 after his condition deteriorated. Doctors declared him brain-dead after he stopped breathing.

His post-mortem examination revealed the donation of heart, lungs, kidneys and liver. The 45-year-old brain-dead diamond worker finally donated four organs last Friday.

Under Dr. P. S. Patel, heart was considered and transplanted to a 45-year-old man from Mumbai.

After 81 minutes of organ transplantation, Dr. Patel, Dr. D. R. Patel and Dr. K. M. Patel, performed the surgery.

"We are from a middle class family and we would never be able to donate anything in our life. So, we decided to donate his organs with a hope that there will be many more such cases," said Patel.

Raju Desai was admitted to the Nadiad Medical City Hospital by Shanti and son Savitri on Friday. On Saturday, he was transferred to a hospital in Mumbai.

The kidney and liver were successfully transplanted by Dr. P. S. Patel and Dr. D. R. Patel.

Shanti and Savitri were present at the hospital on Saturday morning.

The donation of organs was supervised by Dr. P. S. Patel, Dr. D. R. Patel and Dr. K. M. Patel.

"जाहानीगे रक्तदान दिग्गंगफे गृत्युवाद(ब्रैंडनडेड) फ़िडनी, लिवर और हृदयदान . . . "

Sixth live heart travels from Surat to Mumbai

Heart from brain dead patient in Surat was transplanted to Mumbai resident on early hours of Thursday morning

- Surat: Sixth live heart travelled all the way to Mumbai, where it was transplanted into a 29 years old patient at Mumbai's Fortis Hospital. 21 doctors from Surat, Ahmedabad and Mumbai worked hard for the second inter-state live heart transplantation of Gujarat and Mumbai.

Heart of 32 years old Raju Desai, a resident of Katargam area of Surat was successfully transplanted into Rajakka Garie 29, a resident of Satara in Maharashtra.

On July 23, Desai fainted at his house and was undergoing treatment at private hospital. On July 27, doctors declared him brain dead.

Donate Life, an NGO working for organ donation visited hospital to get organs of Desai in donation.

Along with two kidneys, liver and eyes, heart of Patel was also donated by family members.

"After getting permission from family members, Savalia was taken into operation theater of Ayush Hospital in Surat at 11:52 pm. Team of doctors from Fortis Hospital left for Mumbai with live heart at 2 am and reached Mumbai at 3:02 am.

Heart transplant operation began at 3:21 am and it ended at 7:45 am," said Nilesh Mandlewala, president of Donate Life.

Live heart was shifted from Surat to Mumbai through Air Ambulance. Live heart travelled 81 minutes to reach Mumbai, added Mandlewala.

Kidneys and liver of Jagdish Patel was accepted by Ahmedabad based Institute of Kidney Diseases and Research Center (IKDRC). Somnath based 19 years old Haresh Chauhan received one kidney. Second kidney was donated to Ankul Prajapati 24 from Valsad town. Liver was transplanted to 68 years old Subhaschandra Desai from Ahmedabad.



ब्रेन डेड युवक के हृदय का मुम्बई की महिला को प्रत्यारोपण

- सतारा की राजका के सीने में धड़िकेगा राजू का दिल
- प्रत्यारोपण में एयर एम्बुलेंस हुआ मददगार

बीओटी संवाददाता
सूरत, 28 जुलाई

कतारगाम के ब्रेनडेड युवक के हृदय का सफल प्रत्यारोपण आज मुम्बई के फोटीज हॉस्पिटल में सतारा (महाराष्ट्र) की एक महिला को किया गया।

जानकारी के अनुसार कतारगाम नन्दू डोसी की बाबौ निवासी राजू बटुक देसाई (34 वर्ष) होठ कारखाना में बतौर स्पीनर काम करता था। 19 जुलाई को राजू देसाई को मिर्गी आने से बेहोश हो गया, जिसे एक निजी अस्पताल में चिकित्सा के लिए दाखिल कराया

गया। जहाँ 26 जुलाई को राजू देसाई का ब्लड प्रेशर घटने से उसकी तबीयत ज्यादा खराब हो गई। 27 जुलाई को न्यूरो सर्जन द्वारा राजू देसाई को ब्रेन डेड घोषित किया गया। परिवारजनों ने राजू देसाई उसके हृदय को दान करने का निर्णय लिया। जिसके लिए राजू देसाई को शहर के आयुष मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में दाखिल किया गया। हॉस्पिटल में उसका हृदय निकालकर सूरत एयरपोर्ट से एयर एम्बुलेंस के जरिये मुम्बई फोटीज हॉस्पिटल ले जाया गया। जहाँ सतारा की महिला राजका गरले (29 वर्ष) को राजू देसाई के हृदय का सफल प्रत्यारोपण किया गया। उल्लेखनीय है कि मुम्बई के फोटीज हॉस्पिटल में हृदय का यह 23वाँ प्रत्यारोपण रहा।

जिंदगी

सुरत के बैन डेड खारित ने दिया चार को जीवनदान, ग्रीन कॉरिडोर हना माध्यम

81 मिनट में सूरत से मुंबई पहुंचा दिल

२४८ | अंक

३५४ अप्रैल १९७८ को दिन
निवासी मिशन ग्रामीण बैठक
में आयोजित कराया गया था। इस
में सभी विधायकों ने अपनी विचार
को दिया। उनमें से ३४ विधायक
ने अपनी विचारों को लिखा और
उन्हें बैठक के दौरान प्रवाहित
किया। इन विचारों का अधिकारी
प्रतिवाद नहीं किया गया।

२० अक्टूबर के २० अक्टूबर को यह
पहली बार में गया था, ले कि उन
सुनाई की बौद्धियों में वह सुना गया।
वह एक बड़ा बाजार है जो इन्हीं
वस्तुओं की बिक्री के लिए बना दिया
गया है, जो आज तक भारतीय
मूल की बाजारी की बाजारी है। लोगों के
मध्य वह एक बड़ा बाजार है, जो आज
वहाँ बढ़ती रुपी वस्तुओं की बिक्री
में बहुत बड़ा बाजार है।



काम की तरफ, बिल्कुल निष्ठा की ओर से उत्तीर्ण हो जाएगी। यह अपने दोनों भाई को बड़ी चिंता कर रही है। वह इसकी वजह से अपनी जीवन की अवधि को बहुत अच्छी तरफ पर ले जाना चाहती है।

प्राप्ति के लिये वह
करनेहोगा और जिस
कारण वह करने वाला
है उसके लिये उसका
लिया का अवधारणा लिया,
वह अपने नाम पर
उसके लिये उसका
लिया का अवधारणा लिया

सूरत से 81 मिनट में हृदय मुंबई पहुंचा, सफलतापूर्वक हुआ ट्रान्सप्लान्ट

ब्रेनडेड राजू वेसाई के परिजनों ने समाज को नयी दिशा दी

सुल, १६ जूनाई। नवपंच
मध्ये विश्वा ताता विश्वामित्राम्
त्रिष्णु एककर्ता देवार्थ
(विश्वामित्र) उत्त ४५ वर्ष, मास
१५, अनुष्टु नो विश्वा, १० वर्ष
के विश्वा भगवान् ता त्रिष्णु व्या-
दि व तीव्र विश्वामित्र के विश्वा
हो पर। विश्वा विश्वामित्र अभ्यंगत
महात्मा विश्वामित्र अभ्यंगत ता
त्त्वामा भगवान् वहा, कि विश्वा
प्राप्तुकृता को उत्तरव्य से त्राप्ता
हो उत्तर।

२४ जुलाई और १० अगस्त
अमेरिका में गोपनीय देवता को
आपूर्व भार्याओं द्वाट गत्वा
लवलक्षणात् अमेरिका में जो
बीच बड़ता की देखरेख हो
जाएगा उसका एक मामला बना



२५ लुम्हर्डी को नुचियां का सामना
जैसे ऐ चिपट लुक वा जैसे इनका
पंगा बहुत ही लम्बा हो गया था।
२६ जूसाई हुणकर को
न्यूरोफिकेशन कर दी। किसी भी
पठननाला तथा न्यूरो पर्सन ही
हड्डीमुखी गोर्बीजी के रान्हलुम्हर्डी को

सद्गुरु गीता याद भीजता
आनंदेन, वीरा सबजोपाल
लालिये, भीम के कटे प्रभुभाल
सुनिया की जीर्ण दीनेहूँ के
उक्का में ब्रह्मगमी ही जी दान
देने के लिए प्रभुभाल

राज वैसी के चरित्रों ने
मनवैद्य धनु के लिए कहा था। उन
करों का विवाह लिया, जिससे
उन लिंगों को अधिक बढ़ावा दी
सके। इसी धन में राज वैसी
के विवाह अपनी की अल्प-
मात्रा अधिकारी और वह लिया
था। यह ५५ लिंग में दिया
(इस), जो वैसाहि के दृष्टिकोण
में लिया गया। उत्ता
मनवैद्याल्पक अनु वैसिंह के
द्वारा कानून लिया गया।

सूरत से 81 मिनट में मुम्बई पहुंचा दिल

**कतारगाम निवासी
ब्रेन डेड व्यक्ति के
अंगदान से चार को
मिला नया जीवन**

प्रेसवर्क न्यूज़ नेटवर्क

प्रभाग 14007

सूरत कागगगम नदीरेखी की धारा में होग बायरलाइने में कार्बन कार्बन वाले जॉल्वा लो ब्रेन डेड शोगित किए जाने के बाद उसके पांच घण्टों ने हरवृ किए जाने और लैंगर के दून कर चार जनों का नया जीवन दिया। जलौके छांसों का दान लोकलाइट चाषु बैक ने रखी कार किया। फोटोग्राफर अप्पताल की दीप 8। फैनट में हार्ड को लेकर सुरत से मुम्बई चुनी और इसे महाराष्ट्र के व्यक्ति में ट्रांसफार्ट किया गया।

कागगगम नदीरेखी के पास सगलमुत्ति अप्पताल कियाती राजू बटुक ऐसाह (31) 19 जुलाई की शेफर डेड अब तक जीवन मिली आने से बेहाल है। वह इस रिक्षम अप्पताल में भर्ती कराया गया। 23 जुलाई को उह अप्पताल शिफ्ट किया गया यहा। 24 जुलाई को यत्कथाप चढ़ने से उत्तरी तरीका मंपांडी हो गई। 25 जुलाई के द्वारा फॉजिशन लॉ किशोर पड़वाला और न्यूरो सर्जन डॉ. हरगुल लेंडिगा ने उहे ब्रेन डेड पोस्ट कर दिया। उह के दोस्त एम्बुलेंसर ने डॉनेट लाइक के प्रत्यक्ष नैरोग माइक्रोवाला को जानकारी दी। बायरलाइन तक परिवर्ती से भिन्ने और लंगशन ऐप्पल एक्स के गणहारा। परिवर्तन दो रहमान जिसने के बाद



माइक्रोवाल ने लोकलीआर्सी ट्रांसफार्ट कोर्डिनेटर ड्रिया जाह तथा

मुम्बई के प्रेटीस अस्पताल के चीफ कोर्डिनेटर मर्जन डॉ. अक्षय नुते ने इस दून स्पौत्तर किया। अहमदाबाद

के लोकलीआर्सी के ड्री प्राजल ने दे किए जाए और लैंगर को अप्पताल वाले लोकलाइट चाषु बैक ने स्पौत्तर किया। हृदय का ट्रांसफार्ट महाराष्ट्र के साथ जिस निवासी राजस्वार्थी राजस्वार्थी राजस्वार्थी (29) में किया गया। एक किए जाए गुप्त राजस्वार्थी ने नवाख निवासी हरेश चंद्रा (19), दूसरे किए जाए वाले साथ निवासी अंकुल इनापती (24) और लौंगर अहमदाबाद निवासी सुभाषचन्द्र रामगतल येमाई (65) ने दून सालाट किया गया।

इनेट लाइफ ने अब तक सुरत के उह जेन डेड व्यक्तियों के दून से जाह जाह जाह करवाया है। मुम्बई के प्रेटीस अस्पताल में अब तक 23 हार्ड ट्रांसफार्ट के अप्पताल हुए, जिनमें सुरत के 13 हार्ड जाह जाह करवाया गया है।

सूरत से 81 मिनट में छठवां हृदय महाराष्ट्र में ट्रांसफर और ट्रांसप्लांट किया गया

सोनाराव संतवा पटेल
समाज के ब्रेंडेड
शरन बद्रीवाजीर
चेमई के अग्री का
दान कर चार
व्यक्तियों को नवा
जीवन दिया और दो
व्यक्तियों को नयी
रोपणी दी।

एक समय से धोनां
द्यु ने इन दो दोषी को
भृत्य की शहद हो रखा
था। एक जल्दी नीतिकर्ता
दावेदार में भी निया
मानवाना के उपचर के बाहे
उपचर को नहीं किया। विनाया की
दृश्यता 400 यारे जारी हुई है।
दीर्घकाल की दृश्यता में



दृश्यता दिया गया। मौके पर यह
दृश्यता के बाकी उच्ची
कर्तव्य थायी हुई।

अन्वय को व्यक्तिगतिका
दृश्यता दिया गया। एवं
दृश्यता की जागी दृश्यता
दीर्घकाल की दृश्यता में

दृश्यता दिया गया। मौके पर
यह दृश्यता के बाकी उच्ची
कर्तव्य थायी हुई।

दृश्यता के बाकी उच्ची
कर्तव्य दीर्घकाल में दृश्यता
दीर्घकाल की दृश्यता में

दृश्यता होने वाला थायी था।
इसे दिया दृश्यता होने वाला
दृश्यता होने वाला थायी था।

दृश्यता होने वाला थायी था।
दृश्यता होने वाला थायी था।

दृश्यता होने वाला थायी था।
दृश्यता होने वाला थायी था।
दृश्यता होने वाला थायी था।
दृश्यता होने वाला थायी था।
दृश्यता होने वाला थायी था।

दृश्यता होने वाला थायी था।
दृश्यता होने वाला थायी था।
दृश्यता होने वाला थायी था।
दृश्यता होने वाला थायी था।
दृश्यता होने वाला थायी था।

दृश्यता होने वाला थायी था।
दृश्यता होने वाला थायी था।
दृश्यता होने वाला थायी था।
दृश्यता होने वाला थायी था।
दृश्यता होने वाला थायी था।

हीराना कारभानाना स्पीनरनां अंगोथी ८ ज्ञवन यमकी गया

(प्रतिवारीदार)

मुख्यमन्त्री नीतिकर्ता दृश्यता के बाद
समाजाना लिए हैं। उन्हें उपचर करने का आदेश
दिए गए थे। उन्हें उपचर करने का आदेश
दिए गए थे।

उपचर के बाद उपचर करने का आदेश
दिए गए थे। उन्हें उपचर करने का आदेश
दिए गए थे।

उपचर के बाद उपचर करने का आदेश
दिए गए थे। उन्हें उपचर करने का आदेश
दिए गए थे। उन्हें उपचर करने का आदेश
दिए गए थे। उन्हें उपचर करने का आदेश
दिए गए थे।

उपचर के बाद उपचर करने का आदेश
दिए गए थे। उन्हें उपचर करने का आदेश
दिए गए थे। उन्हें उपचर करने का आदेश
दिए गए थे। उन्हें उपचर करने का आदेश
दिए गए थे।

क्षमा क्षमा देख देख साहित्य सम्बन्धी
दृश्यता के बाद उपचर करने का आदेश
दिए गए थे।



दृश्यता के बाद उपचर करने का आदेश
दिए गए थे।

ग्रन्ड (१.८.२८) मांसुलानी लोकिना शक्ति
लक्ष्मी दृश्यता के बाद उपचर करने का आदेश
दिए गए थे। उपचर के बाद उपचर करने का आदेश
दिए गए थे। उपचर के बाद उपचर करने का आदेश
दिए गए थे।

ग्रन्ड (१.८.२८) मांसुलानी लोकिना शक्ति
लक्ष्मी दृश्यता के बाद उपचर करने का आदेश
दिए गए थे।

ग्रन्ड (१.८.२८) मांसुलानी लोकिना शक्ति
लक्ष्मी दृश्यता के बाद उपचर करने का आदेश
दिए गए थे। उपचर के बाद उपचर करने का आदेश
दिए गए थे।

सुरतमांथी हड़ी वधत हृदय मुंबई भोकलायु : मुंबईनी होस्पिटलमां सकृण सन्सप्लान करायुं

સુરતથી ૮૧ મિનિટમાં ઘબકતું હૃદય મુંબઈ લાવી સકળ ટ્રાન્સપલાન્ડ કરાયું

૩૪ વર્ષીય બ્રેનડેડ રાજુભાઈ દેસાઈનાં અંગનાં દાનથી ચારને નવજીવન મળ્યું

સુરત તા. ૨૮ : શહી
વખત સુરતથી
ધાર્યાનું હૃદય મુંબઈ
સિંથ્રિત હર્દીનાં
શરીરમાં ટ્રાન્સપલાન્ડ
કરવામાં તથીઓને
સકળતા પ્રાપ્ત થઈ
છે તો જાથે લડ
વર્માય બેન્ડેડ
રાજુભાઈ દેસાઈનાં
અંગનાં દાનથી ચાર
વ્યક્તિને નવજીવન
પ્રાપ્ત થતું છે.

ગત ૧૫મીઓ રહેલેન્માં કનારગામ ખાતે રહેતા
રાજુભાઈ બાળકમાઈ દેસાઈને લેમના પરે બેચ આત્માં
બેભાન થઈ જતાં તેને તાતાંડિક નજીડનાં શિંચમ
મહીં રેપિયાલીટી હોરિપ્ટલમાં દાખલ કરવામાં
આવ્યાં હતાં. જ્યાં તેખની તથિતમાં ડોર્થ સુધારો
નાંથી જતાં આચ્યુષ આઈસોફ્યુ એન્ડ મેટ્ટી
રેપિયાલીટી હોરિપ્ટલમાં ડો. જીવિં પેટેની ચારસાર
હેઠળ દાખલ કરાયા હતાં. ગત રદમી જૂલાઈને
તેમનું જ્યાં પેશાર ચર્ચી જતાં તાંગિયત અધિકી હતી,
ગત રજીમાં ન્યૂરોફિલીશન ડૉ. ડિશોર પદ્ધતિના
અને ન્યૂરોસાર્વેન ડૉ. લસમુખ સોઝુત્રાએ હર્દી
રાજુભાઈ દેસાઈને બેન્ડેડ જાહેર કર્યો હતાં.
પરિવારના મિત્ર સેશભાઈ વધાબિયાએ ડોનેટ
કાર્ડ કનાં પ્રમુખ નિલેશભાઈ માંડલેશવાળાનો
સંપર્ક કરીને રાજુભાઈના બેન્ડેડ અંગેની માહિતી
આપી હતી.

ડોનેટલાઈની ટીમ હોલિટન. પણોચીને બેન્ડેડ
રાજુભાઈ દેસાઈનાં પરિવારનાં સાંભ્યો માતા શાંતુલેન,
પિતા બાળકભાઈ, મારા લબ્ધભાઈ ના પરિયા,



રાજુભાઈ સુતરેંગાને બેન્ડેડ રાજુભાઈનાં અંગદાન
કરવા માટે રાજી કરવામાં સકળતા મેળવી હતી.

બેન્ડેડ રાજુભાઈનું ધળકનું હૃદયનું માત્ર ટ્રા
ન્સપલાન્ડ મુંબઈ સિંથ્રિત ફોટોચ હોલ્સિસ્ટલનાં ચાલ
કાર્ડિયાક ચન્કર્ષન ડૉ. અન્યય મુલે જાને તેની ટીમે
સતતા નિવાસી રાજકુમાર ગરબે(૩.૮૮)એ સકળ
ટ્રાન્સપલાન્ડ કર્યું હતું. દાનમાં મેવવવામાં આવેલી
જને(કિની પેટી એક કિની શોભનાથનાં રહેવાસી
કરેશ ચૌકણા(૩.૮૮)જને બ્રાણ કિની વલાસાઈના
રહેવાસી અંકુલ પ્રજાપત્રી(૩.૨૪)એ ટ્રાન્સપલાન્ડ
કરવામાં આવી હતી. દીવાનું સકળ ટ્રાન્સપલાન્ડ
અમદાવાદનાં ચુભાયચેર દેસાઈ(૩.૬૮)નાં રાજી
ટ્રાન્સપલાન્ડ કરાયું હતું, બેન્ડેડ રાજુભાઈની આંગેનું
દાન લેસા કોકદાંટ ચાંદુ બેન્નના ડૉ. પ્રકુન શિરોયાએ
શીકાર્યું હતું.

નોંધ્યું કે અત્યાર સુધી ડોનેટ લાઈન સંસ્થાનાં
નેત્ર હેઠળ ચુંદ ચાને દિનિક ચુંદવતમાંથી છ હૃદય,
એ પેન્ડીઆસ, પણ લીધર, ૧૬૧ કિની અને
૧૩૮ ચશુંગાનું દાન મેળવોને કુલ ૭૬૫ કિલોઓને
નથી છુબન નાપાવવામાં સફળતા ગેયાં છે.

કતારગામના બ્રેઈનડેડ રલ્કલાકાર રાજુ દેસાઈના અંગદાનથી ચાર વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું

કદા, ગા. ૨૫ પોદી, કચ્છ જિલ્લા
નારાયણપુર વિધાનસભાની પાઠ્યપત્ર, ૩૦.૮.૨૦૧૮
૩૨. પ્રદીપ કુમાર ત્રિપાટી, ૩૫. પ્ર. રમેશભેટે એન્ડ્રોના, ૩૮. પ્ર. રમેશભેટે એન્ડ્રોના, ૪૫. પ્ર. વિનુલાલા, ૪૮. પ્ર. વિજયાલા, ૫૧. પ્ર. પરીવારના, ૫૨. પ્ર. પરીવારના
અંગ દાન કરતું થાકુરશેને નાનુ કાળ વાર્ષિકીયાં શરૂઆત કરી જતી જયા
મળ્યું હતી, એન્ડ્રોના
એન્ડ્રોના, એન્ડ્રોના, ૩૮. પ્ર. રમેશભેટે એન્ડ્રોના, ૩૯.
૫૨. પ્ર. વિજયાલા, ૫૪. પ્ર. વિનુલાલા, ૫૫. પ્ર. પરીવારના, ૫૬. પ્ર. પરીવારના
અંગ દાન કરતું થાકુરશેને નાનુ કાળ વાર્ષિકીયાં શરૂઆત કરી જતી જયા

નારાયણપુર વિધાનસભાના હાઉસની પાઠ્યપત્ર, ૩૦.૮.૨૦૧૮
૩૨. પ્ર. પરીવારના, ૩૫. પ્ર. રમેશભેટે એન્ડ્રોના, ૩૮. પ્ર. વિજયાલા, ૪૫. પ્ર. વિજયાલા, ૪૮. પ્ર. વિનુલાલા, ૫૧. પ્ર. પરીવારના, ૫૨. પ્ર. પરીવારના, ૫૪. પ્ર. વિનુલાલા, ૫૫. પ્ર. પરીવારના, ૫૬. પ્ર. પરીવારના
અંગ દાન કરતું થાકુરશેને નાનુ કાળ વાર્ષિકીયાં શરૂઆત કરી જતી જયા

પરીવારની સંમતી બાદ રાજુના હૃદયને ૧૧ મિનિટમાં મુંબઈ મોકલી ડાંનાં શરીરમાં પ્રદ્યાશપ્રાપ્ત કરાયું



નારાયણપુર વિધાનસભાના હાઉસની
પાઠ્યપત્ર, ૩૦.૮.૨૦૧૮
૩૨. પ્ર. પરીવારના, ૩૫. પ્ર. રમેશભેટે એન્ડ્રોના, ૩૮. પ્ર. વિજયાલા, ૪૫. પ્ર. વિજયાલા, ૪૮. પ્ર. વિનુલાલા, ૫૧. પ્ર. પરીવારના, ૫૨. પ્ર. પરીવારના, ૫૪. પ્ર. વિનુલાલા, ૫૫. પ્ર. પરીવારના, ૫૬. પ્ર. પરીવારના

નારાયણપુર વિધાનસભાના હાઉસની
પાઠ્યપત્ર, ૩૦.૮.૨૦૧૮
૩૨. પ્ર. પરીવારના, ૩૫. પ્ર. રમેશભેટે એન્ડ્રોના, ૩૮. પ્ર. વિજયાલા, ૪૫. પ્ર. વિજયાલા, ૪૮. પ્ર. વિનુલાલા, ૫૧. પ્ર. પરીવારના, ૫૨. પ્ર. પરીવારના, ૫૪. પ્ર. વિનુલાલા, ૫૫. પ્ર. પરીવારના, ૫૬. પ્ર. પરીવારના

નારાયણપુર વિધાનસભાના હાઉસની
પાઠ્યપત્ર, ૩૦.૮.૨૦૧૮
૩૨. પ્ર. પરીવારના, ૩૫. પ્ર. રમેશભેટે એન્ડ્રોના, ૩૮. પ્ર. વિજયાલા, ૪૫. પ્ર. વિજયાલા, ૪૮. પ્ર. વિનુલાલા, ૫૧. પ્ર. પરીવારના, ૫૨. પ્ર. પરીવારના, ૫૪. પ્ર. વિનુલાલા, ૫૫. પ્ર. પરીવારના, ૫૬. પ્ર. પરીવારના

નારાયણપુર વિધાનસભાના હાઉસની
પાઠ્યપત્ર, ૩૦.૮.૨૦૧૮
૩૨. પ્ર. પરીવારના, ૩૫. પ્ર. રમેશભેટે એન્ડ્રોના, ૩૮. પ્ર. વિજયાલા, ૪૫. પ્ર. વિજયાલા, ૪૮. પ્ર. વિનુલાલા, ૫૧. પ્ર. પરીવારના, ૫૨. પ્ર. પરીવારના, ૫૪. પ્ર. વિનુલાલા, ૫૫. પ્ર. પરીવારના, ૫૬. પ્ર. પરીવારના

નારાયણપુર વિધાનસભાના હાઉસની
પાઠ્યપત્ર, ૩૦.૮.૨૦૧૮
૩૨. પ્ર. પરીવારના, ૩૫. પ્ર. રમેશભેટે એન્ડ્રોના, ૩૮. પ્ર. વિજયાલા, ૪૫. પ્ર. વિજયાલા, ૪૮. પ્ર. વિનુલાલા, ૫૧. પ્ર. પરીવારના, ૫૨. પ્ર. પરીવારના, ૫૪. પ્ર. વિનુલાલા, ૫૫. પ્ર. પરીવારના, ૫૬. પ્ર. પરીવારના

સુરતથી છદ્દુંહદ્ય ૪૧ મિનિટમાં મુંબઈ લઈ જઈ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું સુરતી યુવાનના અંગદાને ૪ લોકોને નવજીવન આને ૨ને રોશાની આપી

દેલ્ટા ટિપોન્ડા સુરત



સૌરાષ્ટ્ર લેઝિચા પટેલ સમાજના કતારગામના બ્રેનડેડ
યુવકના અંગોનું પરીવારજનોને દાન કરી સમાજમાં
ઉત્તમ ઉદ્ઘારણ પુરુષ પાણું છન્હું, હૃદ્ય દાન થડી બે
સંતાનની માતા સહીત ચાર વ્યક્તિને નવજીવન
મળ્યું છન્હું, તો બે વ્યક્તિઓને ચક્ષુદાનથી નવા
રોશાની મળી છતી. સુરતથી ૪૧ મિનીટમાં ૪ હૃદ્ય
મુંબઈ મોકલાયું છન્હું.

....અનુસ્થાન પાનાં નં. ૧૧
અંગદાન રાજુભાઈના પાર્શ્વિંદેહ સાથે પરીવારજનો,

» પહેલા પાનાનું અનુસંધાન

સુરતી ચુપાણા...

હદ્યને મુખીના કોર્ટીસ છોસ્પિટલમાં જરૂરતમદને દ્વાન્સખાનટ કર્યાં હતું. ડોનેટ વાઈક થડી આ છઢુ હદ્યનું દાન શેર્ટીસ છોસ્પિટલે મેળવી 23મું હદ્યનું ભેફળ દ્વાન્સખાનટ કર્યું હતું. ક્તારગામની નંહેરીની વારી ખાતે રહેતાં વેઠિવા પટેલ સમાજના રાજુ બદ્દકમાઈ દેસાઈ (34) એન કલાકાર હતો. તેમનું મેળ આવ્યા નાથ વષુ સરવાર અર્થે નાયુષ છોસ્પિટલમાં દાખ્ય કરાયા હતું. પરંતુ ગત 27મીએ તેમને જેનોડ જાલેર કરાયા હતો, આ અંગે ડોનેટ વાઈકના પ્રમુખ નિલેખ માંડલેવાલાને જાપા થતી તેમણે મુતકના પરિવારજનનોને ઓર્જિન ડોનેટ અંગે સમજ આપતાં ઓર્જિન નિષ્ફળતાના દર્દીઓમાં ઓર્જિન ડોનેટ અંગેની મંજૂરી આપી હતી. તેથી અમદાવાદની આઇક્રીઆરસી સેન્ટરની ટીમે કોડની લીલવરનું દાન, ચક્ષુઓનું દાન લોફરિચિયનું મેકેસ્નીકાંકાંનું હતું. તો હદ્યદાન પ્રેટીસીશીના કો. ઓર્જિનિટર ચાલ્લનાં સંપર્ક કરાયો હતો. મુખીની કોર્ટીસ લોસ્પીટલના કાર્ડિયાક સર્જન હો. અન્યય મુલે અને તેમની ટીમે હદ્યનું દાન સ્વીકાર્યું હતું. દાનમાં ભણીલી બે ડિઝની પેંડી એક કોડની સોભન થના દરેશ ચોલાણા (19) અને બીજી કોડના નવસાફના અંકુલ પ્રજ્ઞાપત્ર (24)માં દ્વાન્સખાનટ કરાયું. તો લીલવર અમદાવાદના સુભાઈર્ડ દેસાઈ (68)માં દ્વાન્સખાનટ કરવામાં આવ્યું હતું, તો હદ્યનું દ્વાન્સખાનટ શતારા જિલ્લાના રાજકુમારાં ગરલે (29) નાનીની પહીલામાં કરામું હતું.

કેદેવરહદ્યડોનેટનો ઘટણાકુમ

- રાત્રે 11.52 કલાકે કેદેવર ઓર્જિન ડોનર રાજુ કેચાઈને સુરત આયુષ હોસ્પિટલમાં કાર્ડિયાક સર્જન હો. અન્યય ચુલ્લેએ ટીમ સાથે હદ્યનું દાન સ્વીકારી આયુષ હોસ્પિટલથી સુરત એરપોર્ટ જવા રવાના થયા.
- રાત્રે 2.11 કલાકે હો. અન્યય મુલે ટીમ સાથે સુરત એરપોર્ટ પહોંચ્યા.
- રાત્રે 2.22 કલાકે સુરત એરપોર્ટ થી બેર એમ્બ્યુલન્સમાં હદ્ય મુંગાઈલઈ જવા રવાના થયા.
- રાત્રે 3.05 કલાકે હો. અન્યય મુલેની ટીમ મુખી એરપોર્ટથી કોર્ટીસ હોસ્પિટ જવા રવાના થયા.

- રાત્રે 3.21 કલાકે હો. મુલે અને તેમની ટીમ કોર્ટીસ હોસ્પિટ, ઓર્જિન દ્વાન્સખાનટ કરતારા જિલ્લાના રાજકુમારાં ગરલે (29) નાનીની મહિલામાં કરના આણીસીયુંમાં શીફ્ટ કરી કરવામાં આવ્યું.
- રાત્રે 7.45 કલાકે હદ્યનું દ્વાન્સખાનટ શતારા જિલ્લાના રાજકુમારાં ગરલે (29) નાનીની મહિલામાં કરના આણીસીયુંમાં શીફ્ટ કરી કરવામાં આવ્યું.

૩૧ માનીટમાં હદ્ય સુરતથી મુખી મુલુંદ કોર્ટીસ હોસ્પિટ, માં લઈ ગયા બાડદ્વાન્સખાનટ કરામું

સુરત, ગુજરાતમાંથી ૮૧ મીનીટમાં છઠું ક્ષેપ મુખાઈ, મહારાષ્ટ્રમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું

■ સુરત, તા. ૨૮

મંગળવાર તા. ૧૮ જુલાઈ, ૨૦૧૬ ના રોજ બપોરે ૧.૩૦ કલાકે જમતી વાગ્તે ગાજુલાઈને જોય આવતા તેણે બેણાન થઈ ગયા હતા તેથી તેને ઓમ શીવમ મલ્લી સ્પેશચાલીટી હોસ્પિટલમાં ડૉ. હિતેશ તમાકુવાળાની સારવાર હેણા દાખલ કરવામાં આવ્યા અને સારવાર કેરે કરવામાં આવ્યો. શનિવાર તા. ૨૨ જુલાઈ, ૨૦૧૬ ના રોજ ઓમ શીવમ મદ્દી સ્પેશચાલીટી હોસ્પિટલ માંથી સંચે ૪૦૦ કલાકે આપુથ ઈ.ઈ.ડી. એન્ડ મલ્લી સ્પેશચાલીટી હોસ્પિટલમાં ડૉ. ચ.વી. પટેલની સારવાર હેઠળ દાખલ કરવામાં આવ્યો. મંગળવાર તા. ૨૬ જુલાઈ, ૨૦૧૬ ના રોજ તેમનું ખડક પ્રેશર ઘટ્ટી જતાં તથિયત ભગડી હતી. મુજબવાર તા. ૨૭ જુલાઈના, ૨૦૧૬ ના રોજ ન્યૂરોફીઝીસ્પન



ડૉ. તિશોર પટ્ટસાણા અને ન્યૂરોસર્જન ડે. હસમુહ સોજાગાંને રાજુ ને બ્રેનડેડ જાહેર ક્ર્યુર્પરિવારના મિત્ર રમેશભાઈ પદ્માસીયા એ ડેનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિદેશ માંડલેવાલાનો ટેક્સીડીનાનીક સપર્ક કરી રાજુના બ્રેનડેડ અંગેની માર્ફિતી આપી. ડેનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી રાજુના મિતાશ્રી બટ્ટક્ષમાઈ માતાજી શાંતુલેન, માસા લવજીએ નાવરીયા, માસીના દીકરા રાજુલાઈ સુતરોયાને ઓર્ગન ડોનેશન અંગેની જાણપત્રી આપી, ઓર્ગન ડોનેશનનું મહત્વ જમાયું રાજુના પિતા શ્રી બટ્ટક્ષમાઈ અને માતાજી શાંતુલેન જાણાયું કે સાહેબ અમારો ડિકરો બ્રેનડેડ છે અને મૃત્યુ નિશ્ચિત જ છે તો તેના અંગો બળીને રાખ કર્ય જાય તેના કસ્તા તેમોના અંગોનું ધાન કરીને ડિક્ઝી, લિંગર અને શાદ્ય નિર્ઝગતાના દરીઓને નવું જીવન મળે તેવું કરો.

અંગારી

લોયર અને કિકની પણ ઠોણેટ કરતા રાર લોકોને પ્રવાહન માટ્યુ

તલા શરીરના જગતાલી થયકનું દદ્દા એ જ રારિના અલાર્ગારન થયકાં ઘબકાં

ચુંલા ૩૫ વર્ષના લોયલેક્ડ ટ્રાન્સપ્રાન્ડ, ૮૮૫૮૮
નિનિલનાં જ મુંલ પદોકાની ગોલાલાન આરાજન ગરાને
દાન દાપાયું, પાય કન્ધાના તાંકી બાદ માર્ગ લખજીન



ના રીતે હેઠળ
દાન કરેલાને
બાબુ બાબુ

બાબુ બાબુ

દાન કરેલાને
બાબુ બાબુ

" જાણનીં રસ્તાન દિગ્ગાન્ધે ગૃહ્યાન (બ્રેન્નેકેડ) ફિંડની, લિવર ઔર છદ્યાનાન . . . "

સુરતમાંથી છદ્રું હદ્ય મહારાષ્ટ્રમાં ટ્રાન્સફર અને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

» કલારગમના પુચાનાં
અંગદાનથી ચાર જીવાને
નવજીવન આપે જોને
રોકાની ભળી

સુરત, ૨૮
આરનાના ગેડેજ પદ્ધતિ સામાજિક
ગેડેજ પુચાનાં અંગદાનથી ચાર
જીવાને નવજીવન આપે જોને રોકાની ભળી
હીં. એ પુચાના હાઈ કોર્ટ નાને
ગુજરાત, સુરતમાંથી ટ્રાન્સફરનાં છદ્રું
હદ્ય મહારાષ્ટ્ર મુખ્ય મંત્રી શ્રદ્ધાંધક
અને શ્રદ્ધાંધક ઉદ્યક્તિ માટ્યું હતું.
તેજાં નાં અંગદાન વિશે, કિન્ફાનું
જોડાયા હત્યું હતું.

સારે જીવન જીવન મંગલમુક્તિ
અન્યાંય-અન્યાં રહેતો હતું નહું ક્ષાઈ
(એ.બ.એ) માટે એ. એન્ફોલ મંદ
અભિવાન મેળવાની એન્ટ્રીન્ડેક્શન
અંગદાનને હતો. અન્યાં, એન્ટ્રીન્ડેક્શન
પરિયાની રૂલે તોણે નાનીઓ હતું નહોં
હીં. એન્ટ્રીન્ડેક્શન કરી રહેતી હતી
નીચેની (એ.બ.એ) વિશેડાન નુદ્ધ
પરિયાની (એ.બ.એ) વિશેડાન
અન્યાંય-અન્યાં હતું હતું. જીવાને
બનારસની બનારસ નીચેની પ્રદૂષ
જીવનાનું હતું.

બેઠક તે પ્રેરિત કરાયા પરિયાનાને
તેજાં અંગેનું હતું કર્યાનો નિષ્ઠાંક હતો
મનીં જાહેરની રીતનો સંપર્ક કર્યો હતો.
દાનાં કર્યાના પદ્ધુન નિષ્ઠા
મંગલમુક્તિના જીવનનું હતું હતું. નિષ્ઠા
બદુલુલાલની પેસિની પ્રુન રાન્ડ્યુની રીત-ની,
નીચેની અંગ અને જીવાન કર્યા
કર્યું હતું. જોને પદ્ધતી વાર અંગદાનનો
નવજીવન આપે જોને રોકાની ભળી રહેલી
હતી. એન્ટ્રીન્ડેક્શન રહેયાની હતેન
નીચેની (એ.બ.એ) વિશેડાન નુદ્ધ
પરિયાની (એ.બ.એ) વિશેડાન
અન્યાંય-અન્યાં હતું હતું. જીવાને
બનારસની બનારસ નીચેની પ્રદૂષ
જીવનાનું હતું.